श्री एस० एस० अहलुवालिया : महोदया, यह 6 किलोमीटर धरती से ऊपर और 500 किलोमीटर की रफ्तार में यह आकाश से मिसाइल का किस तरह से मुकाबला करेंगे इसके लिए पाइलेट की फ्लाइट का जो टेस्ट हुआ है बालासोर में वह सफल हुआ है। इसलिए मैं चाहता हूं कि सदन की तरफ से, पूरे देश की तरफ से हम उन वैज्ञानिकों को बधाई दें जिन्होंने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि हिन्दुस्तान के वैज्ञानिक कितने शक्तिशाली हैं, वह अपने दिमाग से किसी काम में लगते हैं तो क्या कर दिखाते हैं और सारे विश्व में नाम कमाते हैं। इससे सारे विश्व में भारत का नाम भी लिया जाएगा। मैं आपके माध्यम से उन वैज्ञानिकों को बधाई देता हूं।

उपसभापति : हाउस की तरफ से, आप की तरफ से, मेरी तरफ से, सब की तरफ से हम अपने वैज्ञानिकों को बधाई देते हैं।

Everybody, the entire House including Mr. Jaipal Reddy, congratulates. We convey the sentiments of this House to the scientists and congratulate them on their successful testing of the Pilotless Ttrget Aircraft.

Mr. Jaipal Reddy just sends me a note saying that we should have the discussion on GATT now . . . *(Interruptions)* ... Of course. I have got Special Mentions but we did not take up any Special Mentions for the last two days. Jaipal Reddyji says that as the Minister is also here, we can have the discussion on GATT, but I feel that the Special Mentions, if the House so agrees, we can shift to the evening at 4 o' clock or as soon as the discussion is over, but the mentions to be made soon after the Question Hour is over, which you call the zero Hour, we would like to take up now. It will take about ten or fifteen minutes . . . *{Interruptions')* . . .

Attack on the Chief Minister of Uttar Pradesh

श्री संजय डालमिया (उत्तर प्रदेश) : मैडम, आपके माध्यम से मैं हाउस का ध्यान 4 अप्रैल को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्य मंत्री पर जो कातिलाना हमला हुआ, उसके पीछे क्या कहानी हैं यह हाउस के सामने रखना चाहता हूं। महोदया, यह काम तब से शुरू हुआ था जब 5 राज्यों में चुनाव घोषित हुए थे। उस वक्त बी० जे० पी० वालों ने यह दावा किया था कि पांचों राज्यों में उनकी सरकार बनेगी। उस के बाद जब लोक सभा का चुनाव होगा तो वहां भी उनकी सरकार बनेगी। लेकिन भारत की बहादुर जनता ने उनके सारे इरादे खत्म कर दिए। उत्तर प्रदेश में उनकी जो इकाई है उनका यह दावा था कि कम से कम तीन सौ सीटें आएंगी पर उत्तर प्रदेश की बहादुर जनता ने वहां पर इनको 175 सीट से ज्यादा आगे बढ़ने नहीं दिया। अगर जयपाल रेड्डी जी हमारा साथ देते . . .

उप सभापती : हम लोग डिसकस कर रहे हैं जो आप ने मांगा है रिसेंट अटैक आन सी०एम० . . .

श्री संजय डालमिया : मैं उसी की बात कह रहा हूं। अगर जयपाल रेड्डी जी हमारा साथ देते तो इनकी सौ सीटें भी नहीं आतीं। खैर, मैडम उत्तर प्रदेश की जनता ने हमारी सरकार बनाई। उसके बाद वहां पर इन्होंने कई तरह के दंगे फसाद शुरू करवाने शुरू कर दिए।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : महोदया, यह कोई विशेष उल्लेख का विषय नहीं है ..... **(व्यवधान)**

श्री संजय डालमिया : यह गंभीर मामला है, इसमें बी० जे० पी० का आदमी इंवाल्व है।..... **(व्यवधान)**

श्री राज बब्बर : (उत्तर प्रदेश) : शोर मत करो, शोर मत करो...... **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप लोग अपनी जगह पर जाइए, Fiease sit down. *(.Interruptions)*. ... I am sorry. Please sit down. *(Interruption)* . . . Please take your seats. *(Interruptions)* . . .

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam,...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, please sit down. *(Interruptions)* . . . Everybody should sit down. *(Interruptions)* . . . The question is about the attack on *the* Chief Minister. He is speakin?» about that. I have given him permission. Let him speak. *(Interruptions)* Yes, that is what I reminded him. If you want, you look into the record. I said that. *(Interruptions)* . . . please let hiro finish. *(Interruptions)* . . .

एक माननीय सदस्य : प्वाइंट ऑफ आर्डर रेज करना चाहता हूं......

SHRIV. N ARAYANASAMY (PONDICHERRY) : There is no point o order. *(Interruptions)* . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, please sit down. *(Interruptions)* ...

श्री संजय डालमिया : जब वह फेल हो गये तो यहां पर फैलाना शुरू कर दिया कि मुलायम सिंह और कांशी राम में आपस में झगड़ा चल रहा है। .... **(व्यवधान)**

माननीय सदस्य : प्वाइंट आफ आर्डर रेज करना चाहता हूं......

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): Let him speak about the attack. *(Interruptions)* ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: If nobody interferes, I know what is my duty. I have already told him to confine himself to the attack on the Chief Minister and he should do that. *(Interruptions)* ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have

श्री संजय डालमिया : जब वह भी नहीं चला तब कुछ लोगों को महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए यह षड्यंत्र रचा गया ताकि जो चीज वोट से नहीं मिली वह हिंसा के माध्यम से मिल जाए। यहां पर हमारे इतने बुजुर्ग सब लोग बैठे हैं। मैं भंडारी जी से, सिकन्दर बख्त जी से प्रार्थना करता हूं कि आप सब लोग हमारे साथ मिलकर भारत सरकार से प्रार्थना करें कि जो भी लोग इस षड्यंत्र में शामिल हैं उनको नेतागिरी से पालिटिकल प्रोसेस से बाहर कर देना चाहिए। ...**(व्यवधान)** क्योंकि यह सब नेतागिरी के लिए ही किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के.... **(व्यवधान)**

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (RAJASTHAN): My name has been mentioned. *(Interruptions)* . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has mentioned the whole House. *(Interruptions)* ...

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: He has mentioned my name. *(Interruptions)* .. .

श्री संजय डालमिया : यह सब नेतागिरी के लिए किया जा रहा है। अगर नेतागिरी से इनको एलिमिनेट कर दिया जायेगा तो शायद इस तरह का काम न हो। मैं उनसे हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं आप शामिल होईये ताकि हम भारत सरकार से प्रार्थना करें..... **(व्यवधान)** कि वह इस तरह का कानून बनाये..... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Are you asking of the Opposition or are you asking of the Home Minister ? *(Interruptions)* ..

सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : पिछले कई सालों से हमारी धर्म निरपेक्षता के स्वरूप पर बराबर आघात पहुंचाया जा रहा है। अभी माननीय उच्च न्यायालय ने इस संबंध में स्पष्ट कहा है कि हमारी धर्म निरपेक्षता के स्वरूप को जो ताकतें, जो शक्तियां क्षति पहुंचा रही हैं उन पर सरकार की तरफ से रोक लगाई जानी चाहिए। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जो मुख्य मंत्री के साथ हुआ है यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं हैं। आज हमारी राजनीति के अंदर हिंसा का पदार्पण हो चुका है। ...**(व्यवधान)** हिंसा पर रोक लगनी चाहिए। मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि वही वातावरण जो 6 दिसम्बर, 1992 में इस देश के अंदर पैदा हुआ था वही फिर से पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है उसको लाने के लिए। अभी-अभी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक ने एक आह्वान दिया है कि काशी और मथुरा....**(व्यवधान)** हमारे देश के अंदर खतरा पैदा हो रहा है।**(व्यवधान)** सारे लोगों को इस ओर ध्यान देने की कोशिश करनी चाहिए।....**(व्यवधान)** हिंसा के जरिये हमारी धर्म निरपेक्षता को नष्ट करना चाहते हैं। इनके ऊपर रोक लगनी चाहिए।....**(व्यवधान)** 6 दिसम्बर, 1992 को जो हुआ है उसकी वजह से दुनिया में हमारा आदर, हमारी प्रतिष्ठा गिरी है। जो इस तरह की शक्तियां उभर कर सामने आ रही है उन पर रोक लगनी चाहिए। राजनीति से हट कर हमें इस पर रोक लगानी चाहिए **(व्यवधान)**

allowed Shri S. Jaipal Reddy. ***(Interruptions)*** **... Will you please sit down?** ***(Interruptions)*** . ..

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (UTTAR PRADESH): Madam, please allow me for one minute.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not a discussion.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : I come from Uttar Pradesh.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Never mind.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA : I come from Uttar Pradesh. The Chief Minister of Uttar Pradesh has been attacked. Please give me only one minute. *(Interruptions)* . . .

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, Deputy Chairman, I deem it, my duty to associate myself with the issue raised by Mr. Sanjay Dalmiya. *{Interruptions)* ...

I completely share the sentiments and views articulated by Mr. Dalmia. Madam, the attack on the Chief Minister of UP is absolutely reprehensible. It needs to be denounced by all sides of the House. 1 am sure my friends on the right who belong to the Right ... *(Interruptions)*

SHRI K.R. MALKANI (DELHI): 1 am on a point of order. *(Interruptions)* . ..

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am sure my friends who belong to the BJP... *(Interruptions)* . . .

SHRI K.R. MALKANI: Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What do you want to say?

SHRI K. R. MALKANI : Madam, this issue is 10 days old. How can it be raised today ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : I will tell you the rule. You please come to my chamber. I will explain it to you. . . . *(Interruptions)* . . . गौतम जी आपको तो कोई इजाजत की जरूरत नहीं है । आप तो बोलेंगे ।

श्री संघ प्रिय गौतम : वहां पर रोज हत्यायें हो रही हैं. . . . (व्यवधान) . . . . रोज बलात्कार हो रहे हैं. . . (व्यवधान) . . . .

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am sure my friends from the BJP also share the sense of outrage in the House. I am confident about that. I am sure ... *(Interruptions).*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Madam . .. *(Interruptions)* ...

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am sure there can be no two opinions in the House on this question. Madam, we should realise from the preliminary facts gleaned from the investigation that the attack on Mr. Mulayam Singh Yadav was made by a person who admittedly is a Hindu fanatic. I don't know to which organisation . . . *(Interruptions)* .. .

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Madam . .. *(Interruptions)* . ..

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, *(Interruptions)* . . .

SHRI S. JAIPAL REDDY: I don't know to which organisation he belongs. .. .*(Interruptions).* He may not belong to any organisation. But one fact is incontrovertible, that he is a Hindu fanatic. He was motivated .. . *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

SHRI S. JAIPAL REDDY: I am a Hindu. Let me tell you, I am proud Hindu. I am a Hindu liberal. I am referring to the Hindu fanatics. There is a difference between Mr. Nathuram Godse and Jaipal Reddy. Jaipal Reddy is a Hindu. Mr. Nathuram Godse was also a Hindu. Mr. Nathuram Godse was a Hindu fanatic. I am, therefore, referring to the Hindu fanafcs. Therefore, I am of the view that such people are motivated to commit such depravities on account of hatred that some organisations generate in this country. I call upon all organisations to desist from generating hatred.

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : बी० जे० पी० के लोगों के टेलीफोन नम्बर उसके पास मिले हैं... (व्यवधान)... उसके झोले में मिले है ...(व्यवधान)...

SHRI SANJAY DALMIA: Madam... *(Interruptions)* . . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Dalmia, I had given you permission. Now will you please keep quiet ? *(Interruptions)* ... Please sit down ... *(Interruptions)* . . .

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : उपसभापति महोदया, मुलायम सिंह यादव जी के ऊपर जो आक्रमण हुआ है, मैं उसकी घोर शब्दों मे निन्दा करता हूं लेकिन इस बात को यहां दोहराना चाहता हूं कि इसके साथ जो मेरी पार्टी का नाम लिया जा रहा है उस व्यक्ति से उसका कोई संबंध नहीं है । इतना ही मुझे कहना है ।

श्री सिकंदर बख्त : मुझे एक बात और अर्ज करनी है । मैं यकीनन जो कुछ भंडारी जी ने कहा उस हमले की सख्त निन्दा करना चाहता हूं, मज्जमत करना चाहता हूं क्योंकि इस तरीके से हिन्दुस्तान की पोलिटिक्स नहीं चलाई जाती । ज्यादा अच्छा होता कि वह लोग जो निन्दा करने के लिए खड़े हुए हैं, वे इसमें सियासत को घसीट कर लाने की कोशिश न करें । जाहिर बात है कि फेनाटिसिज्म का जहां तक ताल्लुक है, वह हिन्दुस्तान के बहुत सारे तबकों में है । यहां सिर्फ किसी एक फिरके के फेनाटिसिज्म का जिक्र करके यहां जो अपनी फिरकापरस्ती का जो इज़हार किया जा रहा है, मैं उसकी सख्ततरीन मज्जमत करता हूं ।

شری سکندر بخت : مجھے ایک بات اور عرض کرنی ہے میں یقیناً جو کچھ بھنڈاری جی نے کہا اس حملے کی سخت نندا کرنا چاہتا ہوں ۔ مذمّت کرنا چاہتا ہوں کیوں کہ اس طریقے سے ہندوستان کی پولیٹکس نہیں چلائی جاتی ۔ زیادہ اچھا ہوتا کہ وہ لوگ جو نندا کرنے کے لئے کھڑے ہوئے ہیں وہ اس میں سیاست کو گھسیٹ کر لانے کی کوشش نہ کریں ۔ ظاہر بات ہے کہ فیناٹسزم کا جہاں تک تعلق ہے وہ ہندوستان کے بہت سارے طبقوں میں ہے یہاں صرف کسی ایک فرقہ کے فیناٹسزم کا ذکر کر کے یہاں جو اپنی فرقہ پرستی کا جو اظہار کیا جا رہا ہے میں اس کی سخت ترین مذمّت کرتا ہوں ۔

+ [ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री एस० स० अहलुवालिया (बिहार) : उपसभापति महोदया, संजय डालमिया जी ने जो मुद्दा उठाया है, मैं उसके साथ अपनी सहमति देते हुए यह बताना चाहता हूं कि भारत देश में जब-जब, जिस-जिस ने देश की एकता, अखण्डता और धर्म निरपेक्षता की बात की है, उसको फिजिकली एलीमिनेट करने की कोशिश की गई है । उसकी सब से बड़ी मिसाल महात्मा गांधी, इन्दिरा गांधी और राजीव गांधी जी है जिन्होंने जब-जब इस देश में स्थापित करने की कोशिश की कि भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है और देश की एकता और अखण्डता को कायम रखना हमारा धर्म और फर्ज है, उनकी फिजिकली एलीमिनेट करने की कोशिश की गई । मैं समझता हूं, मुलायम सिंह यादव पर भी उनको फिजिकली एलीमिनेट करने के लिए ऐसा अटेम्प्ट किया गया है । पूरे सदन को इसकी भर्त्सना करनी चाहिए । इस सदन के माध्यम से ऐसी ताकतों को बैन करने के लिए कानून बनाने की जरूरत है । ऐसे संगठनों को बैन किया जाए जो इस देश की अस्मिता, इस देश की धर्म निरपेक्षता, एकता और अखण्डता को क्षुण्ण करने की कोशिश करते हैं । ऐसे संगठनों को बैन करना चाहिये । ...(**व्यवधान**)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : माननीया, मैं इसके साथ जोड़ना चाहता हूं कि वे तमाम संस्थाएं जो जातीयता का ज़हर फैला रही है ...(**व्यवधान**) वे तमाम संस्थाएं, तमाम नेता जो महात्मा गांधी को गालियां दे रहे हैं, वे तमाम लोग जो जातियों के ऊपर लांछन लगा रहे है, आपस में विद्वेष फैला रहे हैं, उन सबकी निन्दा की जाती है । वे सब इस प्रकार का काम न करें ...(**व्यवधान**) इस देश की रक्षा के लिए ...(**व्यवधान**) आपसी सद्भाव बढ़ाने के लिए काम करें (**व्यवधान**) मैं यह मांग करता हूं. . . . (**व्यवधान**)

KUMARI MAYAWATI : *

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please sit down. I am not permitting anybody. Nothing is going on record without my permission . . . *(Interruptions)* . . . Nothing is going on record. Please do not speak in this House without my permission. I say, sit down .. . *(Ir.terruptions)* . ..

KUMARI MAYAWATI: *

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीया उपसभापति महोदया, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव पर जो प्राण घातक हमला हुआ है मैं उसकी निन्दा करता हूं ...(**व्यवधान**) जो प्राण घातक हमला हुआ वह बहुत ही निन्दनीय है . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : सिर्फ मालवीय जी का **रिकार्ड** पर आएगा । (**व्यवधान**)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : हम सब को यह समझ लेना चाहिये कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई भी स्थान नहीं है । जो लोग हिंसा के रास्ते पर. . . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Ms. Mayawati, please sit down. • When I am standing, please sit down. This is not going on record . .. *(Interruptions)* .. . I want to tell Hon. Members, if the issue is serious, if they are concerned that there should not be violence in politics, I think, instead of fighting like this in the House, there should be a consensus as Mr. Jaipal Reddy said that the whole House condemns violence in politics, in *rajniti.* So, I would feel obliged if Membera abide by my ruling and they do not make allegations against each other in this manner. Please speak with my permission. Thank you.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय उपसभापति जी, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव पर उनका जो सरकारी आवास या वहां जिस प्रकार से प्राणघातक हमला किया गया वह बहुत ही निन्दनीय है । हम सबको समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र में हिंसा का तनिक भी स्थान नहीं है जिस बात को आपने स्वयं अपनी सीट से कहा । इसलिए मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इस संबंध में सारे सदन को एकमत होकर जो प्राणघातक हमला हुआ है हिंसा के जरिये से उसकी निन्दा करनी चाहिए ।

SHRI M.A. BABY (KERALA) : Madam, on behalf of my party, I would also like to associate myself with the issue raised by Mr. Sanjay Dalmia.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN (TAMIL NADU) : Madam Deputy Chairman, I also join hands with my senior colleague in condemning the person who made an attempt on the life of Shri Mulayam Singh Yadav. Such violence should be stamped out and the party behind it should be banned. Also, the offenders should be brought to book. It should be investigated thoroughly and this kind of violence should be put an end to.

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, यह एक विचित्र स्थिति है कि जो घटना मुलायम सिंह जी के साथ हुई उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री के साथ । इस सदन में हम लोग यह बात उठाते हैं, जो सदन के नेता है और देश के गृह मंत्री

*Not recorded.

है, उनकी तरफ उंगली उठाकर कि देश में यह क्या हो रहा है। लेकिन जो सदन के विरोधी दल के नेता हैं उनकी तरफ से सफाई दी जा रही है कि हम लोगों को इसमें मत घसीटो, हम लोगों का दोष नहीं है, सियासत मत करो। तो हम नेता सदन से, खास तौर से गृह मंत्री जी से यह जानना चाहेंगे कि यह घटना जो हुई है क्या पहली मरतबा हो रही है या गांधी जी के मरने के समय से हो रही है। यह एक सोच है। वह लड़का महाराष्ट्र वाला जो आया है उसने नेता विरोधी दल की, आपकी पार्टी के कार्यालय में अपना सामान रखा था। उसने वहां चिट्ठी लिखकर दी थी कार्यालय का जो प्रभारी था उसको कि अगर मैं मुलायम सिंह के घर पर मार डाला जाऊं तो मेरी लाश पूना भेज दी जाये। इसलिए आपकी तरफ शक की उंगली उठती है कि ऐसा उस लड़के ने क्यों किया। यह मुलायम सिंह कोई व्यक्ति नहीं, वह लड़का कोई व्यक्ति नहीं, ये दो सोच हैं। उसके हाथ में जो छुरा था उसमें जहर भरा था। यह पिस्तौल की गोली जिसमें जहर भरी होती है या छुरा जिसमें जहर भरा होता है यह तो मामूली मसाला है, असल चीज तो इन्सान की खोपड़ी होती है, जिसमें जहर भरा है। अभी हमारे एक मित्र ने जो नये बाल सरसंघचालक बने हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उनकी तरफ इशारा किया मथुरा काशी पर, उस पर आप गुस्सा करेंगे। लेकिन वह एक जहरीली खोपड़ी है और वह जहरीली खोपड़ी इतनी दूर तक मुल्क का नुकसान कर रही है कि कभी-कभी खतरा आता है कि यह सब तादाद में कम है। उन्होंने बयान दिया है इलाहाबाद में, हमने अखबारों में पढ़ा है कि जो लोग मुसलमानों के या अल्पसंख्यकों के हक में बोल रहे हैं उनका तुष्टीकरण कर रहे हैं। उन लोगों को पुलिस और पलटन भी नहीं बचा सकती। वे मामूली किस्म की सुरक्षा का इंतजाम करके क्या करेंगे। यह अखबार में छपा है... (व्यवधान) हमने पढ़ा है। वह अखबार हम लाकर दे देंगे जब आप कहेंगे... (व्यवधान) अगर इस तरह की भाषा बोलेंगे...

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : जो आदमी यहां नहीं है उसके बयान का यहां इस तरह से जिक्र करना और बिल्कुल असत्य... (व्यवधान) इस तरह की कोई बातचीत नहीं की गयी... (व्यवधान) उनके बयान का ऐसा जिक्र नहीं होना चाहिए... (व्यवधान) टोटली रांग, बिल्कुल असत्य, शरारतपूर्ण... (व्यवधान)

श्री जनेश्वर मिश्र : इस देश में जो लोग धर्मनिरपेक्ष दिमाग के लोग हैं वे समाज में जो अल्पसंख्यक हैं उनके तुष्टीकरण की कोशिश नहीं करते बल्कि वे तादाद में कम हैं इसलिए उनकी सुरक्षा की बात करना अगर तुष्टीकरण होता है और इसमें बहुसंख्यक समाज के कट्टरवादी लोग नाराज होकर कभी पिस्तौल निकालते हैं कभी छुरा निकालते हैं तो इस सदन में क्योंकि यह पंचायती राज है... (व्यवधान) सुन लीजिए

एक माननीय सदस्य : मेहरबानी करके दोनों को मिलाइये मत।

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता (मध्य प्रदेश) : सुरक्षा के हम भी हामी हैं लेकिन तुष्टीकरण के हम हामी नहीं हैं।

श्री जनेश्वर मिश्र : किसी जमाने में कांग्रेस पार्टी जब लम्बे अर्से तक कुर्सी पर बैठी थी तो उनको हटाने के लिए आप जैसे लोगों की भी मदद हमने ली थी लेकिन आज "गैट" समझौते पर भी आपसे हाथ मिलाने में हम लोगों को अपने पर तरस आता है कि आपके साथ... (व्यवधान) देश की राजनीति इतने अछूतेपन की हालत में क्यों ले जाई जा रही है।

यह हम निवेदन करेंगे गृह मंत्री से कि इस तरह के जितने लोग हैं, छुरा, बंदूक और पिस्तौल के बल पर और पलटन पुलिस के बल पर आदमी की आवाज को और सही समझ को दबा देना चाहते हैं, उन लोगों की सियासी जमात के ऊपर कोई सख्ती से पाबंदी लगाने की योजना बनाई जाए। इस तरह की पार्टियां चल नहीं सकती हैं। कई बार इन लोगों पर पाबंदियां लगी हैं। वह लड़का जो छुरा लेकर के गया, उसने कहा कि अयोध्या कांड के बाद जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पाबंदी लगी तो मैं शाला में पाबंद शाखा में छिप करके जाया करता था। यह उसने बयान दिया है और अखबारों में छप चुका है। इसलिए इतनी जल्दी झुंझला करके आप हम लोगों पर बोलते हैं, यह नहीं चलेगा। यह फिर से नए सिरे से सोचा जाए कि छुरा, बंदूक, पिस्तौल के बल पर अगर कोई संगठन अपनी बात को मनवाना चाहता है तो उस संगठन के सियासी कार्यकलाप पर पाबंदी लगनी चाहिए।

उपसभापति : श्री एन० ई० बलराम... (व्यवधान)

श्री लखीराम अग्रवाल (मध्य प्रदेश) : कोई संगठन ही नहीं... (व्यवधान) केवल आप ही बोलने वाले नहीं हैं... (व्यवधान)

उपसभापति : आप बैठिए ... (व्यवधान) I want to finish the discussion. We have got another important business relating to GATT. I have got some 5-7 names on certain matters ... *(Interruptions)* ... I cannot allow a discussion on this.

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : मैडम, गृह मंत्री जी बयान दें... (व्यवधान)

उपसभापति : आप बैठिए... (व्यवधान) I have called Mr. Balaram.

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, गृह मंत्री जी बयान द... (व्यवधान) ऐसे लोगों के खिलाफ ... (व्यवधान)

उपसभापति : नहीं, यह बहुत गलत बात है... (व्यवधान) देखिए, ईश दत्त यादव जी आप इस हाउस के बड़े पुराने मैंबर है ... (व्यवधान)

श्री ईश दत्त यादव : मैं बैठ रहा हूं, लेकिन... (व्यवधान)*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I have called Mr. Balaram. I am not allowing... *(interruptions)*... Nothing will go on record. ..*(interruptions)*. . Mr. Ish Dutt Yadav, it is not going on record. Please sit down. Mr. Home Minister, it has not gone on record. I have requested that the Members should speak with my permission. But I am sorry that the Members do not understand when I ask them not to speak without my permission. They don't abide by my request. I am going to be very strict. Now, I have identified Mr. Balaram. I don't like if Members speak this way. Now, Mr. Balaram.

SHRI N. E. BALARAM (Kerala) : Madam, I am not going to enter into any debate on this. I only want to share mv sentiments with the sentiments expressed by my colleagues here against the attack on the person of the Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri _ Mulayam Singh Yadav. I was very surprised when I came to know of this from the newspapers. I hope this should be a lesson for all the parties here because almost all the parties were expressing their sentiments and they were saying that violence should not be there in politics. I am very glad to hear all this. If all of us take this message to all the people in the country, I think this problem will not be there. I completely share the sentiments expressed by my colleagues here against the violence on the person of Shri Mulayam Singh Yadav, the Chief Minister of Uttar Predesh.

Thank you.

उपसभापति : आपको क्या कहना है ?

श्री जय नंत यादव (बिहार) : मैडम, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता था कि जिस समय आपने माननीय सदस्य मि० डालमिया को इस मामले को उठाने की इजाजत दी तो उन्होंने इस प्रकरण को उठाया और हम सबने उसकी निंदा की और मैं समझता हूं कि किसी भी नेता के ऊपर यदि किसी प्रकार का कोई भी आक्रमण, नेता ही क्यों किसी भी व्यक्ति के ऊपर कोई आक्रमण होता है तो उसकी भर्त्सना की जानी चाहिए और इस सदन ने उसकी भर्त्सना भी की है। लेकिन यह राज्य सभा का मंच किसी व्यक्ति, किसी दल अथवा किसी संस्था को लांछित करने के लिए नहीं बनाया है। मुलायम सिंह के ऊपर आक्रमण हुआ और सारे का सारा प्रकरण इस समय सी० बी० आई० के विचाराधीन है और जो भी तथ्य सामने उभर कर आयेंगे उस पर न्यायालय के द्वारा कार्यवाही होगी। लेकिन बार-बार यहां भारतीय जनता पार्टी को लांछित करने की कोशिश की जा रही है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लांछित करने की कोशिश की जा रही है, मैडम, इसका कोई औचित्य नहीं है। हम सभी मुलायम सिंह यादव के ऊपर हुए आक्रमण की कटु भर्त्सना करते हैं।

THE DEPUTY CHAIRMAN : That matter is over. Now, Mr. Gurudas Das Gupta.

Rise in Inflation Rate

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal) : Madam, I seek the indulgence of the House regarding another frenetic problem which really affects the very vitals of the Indian economy. Despite the optimism that Dr. Manmohan Singh had expressed during the presentation of the Budget, according to the latest Government communique, inflation has reached a double-digit figure. And the inflationary figure at the moment is 10.52 per cent. And the Govcrnment report says that there has been a persistent rise in prices for the seventh week since 19th February. This calculation is on the basis of the wholesale price index. But if we go into the retail price, then the inflation is in the region of 12 to 13 per cent. You can very well understand the impact and nature of this galloping inflation affecting the real wage, affecting the livelihood, affecting the economy, affecting the nation. This is one part. Another part is, yesterday, Dr. Manmohan Singh was addressing a conference in Delhi. And according to the press reports—I was not present in the conference—he expressed optimism saying that inflation would come down soon. He said, there is nothing to be worried about, this is a part of a cyclic fluctuation, characterising the economy in this particular part of the year. This is where my serious objection is. If this is the attitude of the Hon. Finance Minister, a leading economist by his own strength and might, if this is the lackadaisical attitude, if this is the unconcern shown by him, then naturally the forces that had been building up for speculation will

*Not recorded.